National Education Society's High School, Bhandup

I & II Unit Test

Date : 07.08.2018 Sub : Hindi (Full) Marks : 20

Std. : X Time : 45 mins

Roll No.:____ Div.____

प्र.१ पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

लक्ष्मी शांत खड़ी अपने जख्मों पर तेल लगवाती रही। वह करामत अली के मित्र ज्ञान सिंह की निशानी थी। ज्ञान सिंह और करामत अली एक-दूसरे के पड़ोसी तो थे ही, वे कारखाने में भी एक ही विभाग में काम करते थे। प्रायः एक साथ ड्यूटी पर जाते और एक साथ ही घर लौटते।

ज्ञान सिंह को मवेशी पालने का बहुत शौक था। प्रायः उसके घर के दरवाजे पर भैंस या गया बँधी रहती। तीन बरस पहले उसने एक जर्सी गाय खरीदी थी। उसका नाम उसने लक्ष्मी रखा था। अधेड़ उम्र की लक्ष्मी इतना दूध दे देती थी कि उससे घर की जरूरत पूरी हो जाने के बाद बाकी दूध गली के कुछ घरों में चला जाता। दूध बेचना ज्ञान सिंह का धंधा नहीं था। केवल गाय को चारा और दर्रा आदि देने के लिए कुछ पैसे जुटा लेता था।

नौकरी से अवकाश के बाद ज्ञान सिंह को कंपनी का वहा मकान खाली करना था। समस्या थी तो लक्ष्मी की। वह लक्ष्मी को किसी भी हालत में बेच नहीं सकता था। उसे अपने साथ ले जाना भी संभव नहीं था। जब अवकाश में दस-पंद्रह दिन ही रह गए तो करामत अली से कहा- "मियाँ ! अगर लक्ष्मी को तुम्हें सौंप दूँ तो क्या तुम उसे स्वीकार करोगे...?"

मियाँ करामत अली ने कहा था - "नेकी और पूछ-पूछ। भला इससे बड़ी खुशनसीबी मेरे लिए और क्या हो सकती है ?"

करामत अली पिछले एक वर्ष से उस गाय की सेवा करता चला आ रहा था। गाय की देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी।

करामत अली को लक्ष्मी की पीठ पर रोगन लगाने के बाद भी इत्मीनान नहीं हुआ। वह उसके सिर पर हाथ फेरता रहा। लक्ष्मी स्थिर खड़ी उसकी ओर जिज्ञासापूर्ण दृष्टि से देखती रही। करामत अली को लगा जैसे लक्ष्मी कहना चाहती हो - "यदि मैं तुम्हारे काम की नहीं हूँ तो मुझे आजाद कर दो। मैं यह घर छोड़कर कहीं चली जाऊँगी।"

करामत अली ड्यूटी पर जाने की तैयारी में था। तभी रमजानी बोली- "रहमान के अब्बा, अगर लक्ष्मी दूध नहीं देगी तो हम इसका क्या करेंगे क्या खूँटे से बाँधकर हम इसे खिलाते-पिलाते रहेंगे...?"

"जानवर है। बँधा है तो इसे खिलाना-पिलाना तो पड़ेगा ही।"

Scanned by CamScanner

१) संजाल पूर्ण कीजिए । (०२)

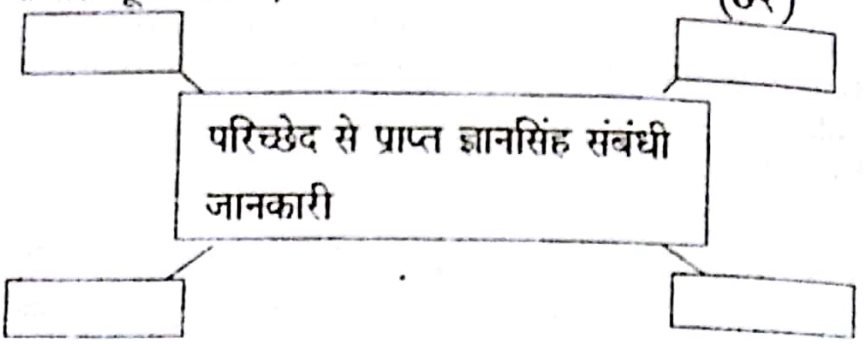

२) (०२)

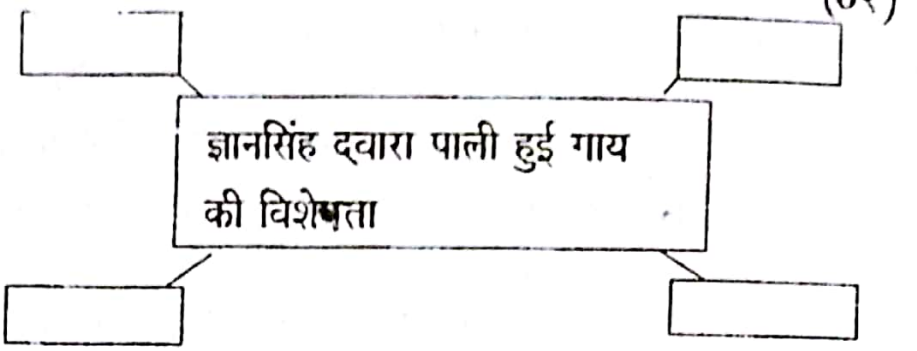

३) १. निम्नलिखित शब्दों का वचन बदलकर लिखिए । (०१)

क) बेटी : ख) जरूरत :

२. परिच्छेद में प्रयुक्त उर्दू शब्द ढूँढकर लिखिए । (०१)

१) _____ २) _____

४) स्वमत अभिव्यक्ति :

पशुपालन के विषय पर ६ से ८ पंक्तियों में अपने विचार लिखिए । (०२)

प्र. २ पठित पदयांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए ।

विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहे सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम ।
'गोरी' को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि ।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यही
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं ।

१) (०१)

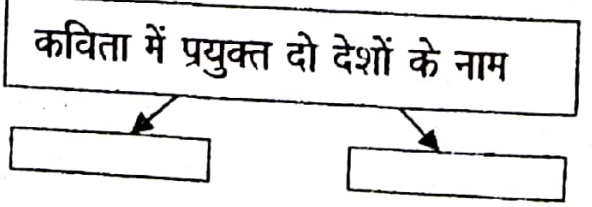

Scanned by CamScanner

२) 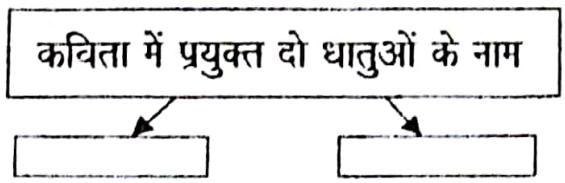

(०१)

३) आकृति पूर्ण कीजिए। (०२)

१. हमने गोरी को इसका दान दिया ः ☐

२. भारत की धरती पर इसकी धूम रहीं ः ☐

४) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (०२)

प्र.३ व्याकरण कृतियों

१. निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए। (०२)

१) मेरे दिमाग में एक <u>नये</u> मुहावरे का जन्म हुआ।

२) <u>सोनाबाई</u> के बच्चे खेलने लगे।

२. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय पहचानकर उनका प्रकार लिखिए। (०२)

१) मैं रोज प्रार्थना करता हूँ।

२) दर्द के मारे मैं चीख पड़ा।

३. निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए। (०२)

१) सोनाबाई फिर आती है। (सामान्य भविष्यकाल)

२) एक चेहरा बड़ी तेजी से जवाब देता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

...

Scanned by CamScanner